Nai Dunia (Indore), 18th March 2024, Page-01

सेमीकंडक्टर अनुसंधान के लिए 13 संस्थानों संग मिलकर काम करेगा आइआइटी इंदौर

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में वीएलएसआइ सोसाइटी आफ इंडिया मध्य प्रदेश चैप्टर द्वारा 18 मार्च को 13 विभिन्न संस्थानों के साथ एमओयू हस्ताक्षर का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य मध्य प्रदेश में सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण, कौशल और स्टार्टअप में संस्थानों के बीच सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है।

आइआइटी इंदौर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आइएसएम) का प्राथमिक उद्देश्य भारत को सेमीकंडक्टर उत्पादन में एक वैश्विक शक्ति बनाना है, जो उत्पादन और प्रौद्योगिकी विकास में नवाचार व

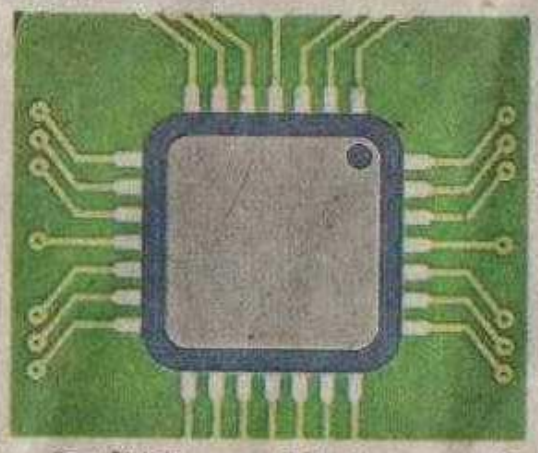

उन्नति में योगदान देने में सक्षम हो। इसके लिए प्रतिभाओं को तैयार करना एक बड़ी चुनौती है, वहीं भारत को आने वाले कुछ वर्षों में 85000 ऐसी प्रतिभाओं की आवश्यकता है। इसके लिए हम प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों के साथ एमओयू करेंगे।

प्रदेश यह संस्थान होंगे शामिल : एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड रिसर्च, इंदौर,- आईईटी-देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, आइपीएस अकादमी के इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड साइंस, जेपी यूनिवर्सिटी आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी गुना, महाकाल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी उज्जैन, मेडी-कैप्स यूनिवर्सिटी इंदौर, ओरिएंटल यूनिवर्सिटी इंदौर, प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड रिसर्च इंदौर, एसजीएसआइटीएस इंदौर, श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंदौर, यूआइटी-आरजीपीवी भोपाल, उज्जैन इंजीनियरिंग कालेज उज्जैन और वीआइटी भोपाल विश्वविद्यालय।

शामिल होंगे 113 संस्थान के कर्मचारी : देश में सेमी कंडक्टर निर्माण क्षेत्र में मानव संसाधन की कमी को पूरा करने के लिए आइआइटी इंदौर 22 से 24 मार्च को एससीएल 180 एनएम पीडीके का उपयोग करके मेमोरी और इन-मेमोरी कंप्यूटिंग पर इंस्ट्रक्शन एन्हांसमेंट प्रोग्राम (आईईपी) आयोजित करेगा।